मंत्रिमंडल फेरबदल में कई गणित

पीढ़ीगत बदलाव के साथ क्षेत्रीय व चुनावी समीकरण साधेंगे प्रधानमंत्री

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली, 14 सितंबर. ब्रिक्स शिखर सम्मेलन खत्म होने के बाद दिल्ली के सियासी गलियारों में इन दिनों केन्द्रीय मंत्रिपरिषद में बड़े फेरबदल और विस्तार को लेकर अटकलें तेज हो चुकी हैं.

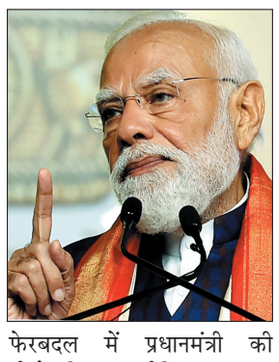

चर्चा है कि इस बदलाव में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव वाले राज्यों को विशेष तव्वजो मिलेगी. साथ ही युवा नेताओं को आगे लाकर पीढ़ीगत बदलाव होगा. इतना ही नहीं आंतरिक समीक्षा में अपेक्षित परिणाम नहीं पाने वाले मंत्रियों की विदाई भी तय मानी जा रही है. पार्टी सूत्रों के अनुसार यह फेरबदल 17 अक्टूबर यानी दशहरा के बाद होगा. लेकिन यह तय है कि व्यापक फेरबदल में प्रधानमंत्री की दीर्घकालिक रणनीति साफ नजर आएगी. संवैधानिक मानदंडों के अनुसार केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंत्रियों की अधिकतम संख्या इक्यासी हो सकती है, जबकि वर्तमान में लगभग बारह पद रिक्त चल रहे हैं. ऐसे में नई पीढ़ी के चेहरों को शामिल करने और कुछ मौजूदा मंत्रियों के भारी-भरकम विभागों का बोझ कम करने की तैयारी लगभग अंतिम दौर में है. मंत्रिमंडल विस्तार में जिन राज्यों में हाल ही में विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं, वहां से आने वाले मंत्रियों की संख्या में कटौती की जाएगी. इस कटौती से जो खाली स्थान बनेंगे, उनका उपयोग आगामी 2027 के चुनावी राज्यों विशेषकर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा, मणिपुर, गुजरात और हिमाचल के सामाजिक, क्षेत्रीय और जातिगत समीकरणों को पूरी सटीकता से साधा जाएगा.

यह हो सकते हैं आधार....

जानकार बताते हैं कि इस बार के फेरबदल में उत्तर प्रदेश से आने वाले गैर-यादव अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी और अति-पिछड़ी जातियों जैसे कि कुर्मी, मौर्य, निषाद, राजभर और लोधी समुदायों के युवा व प्रखर चेहरों को केंद्रीय मंत्रिपरिषद में बड़ी और स्वतंत्र कमान सौंपी जा सकती है. इसके साथ ही पार्टी के पारंपरिक सवर्ण कोर बेस वोटर विशेषकर ब्राह्मण और राजपूत समुदायों के भीतर सांगठनिक असंतोष को थामने के लिए इन वर्गों के मुखर व कद्दावर युवा रणनीतिकारों को मुख्यधारा के नीति-निर्माण में आगे बढ़ाया जाना तय माना जा रहा है.

केरल में मलेशियाई पीएम अनवर इब्राहिम का सम्मान

नई दिल्ली. 18वें ब्रक्सि शखिर सम्मेलन के दौरान भारत पहुंचे मलेशयिा के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहमि ने शखिर सम्मेलन से इतर केरल का दौरा कयिा। यहां उन्होंने सुन्नी कल्चरल सेंटर में आयोजित स्मरण और प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया. इस दौरान भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबूबक्र अहमद की मौजूदगी में उन्हें शेख अबूबक्र फाउंडेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. मलेशयिा के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहमि ने सोशल मीडयिा प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लखिा, 'सुन्नी कल्चरल सेंटर में मुझे मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ स्मरण और प्रार्थना सभा में शामिल होने का सम्मान मिला. इस कार्यक्रम में केरल के सम्मानित विद्वान और लगभग दो हजार छात्र शामिल हुए.

आपातकाल हमारी विचारधारा नहीं

जेन-जी आंदोलन को लेकर शाह का कांग्रेस पर निशाना

लालबाग के राजा के दरबार में अमित शाह को पुस्तक भेंट करते मंडल पदाधिकारी.

नवभारत न्यूज़

मुंबई, 14 सितम्बर. नीट पेपर लीक को लेकर जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के आंदोलन को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कांग्रेस पर निशाना साधा. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हम आपातकाल थोपकर शासन नहीं कर सकते. यह कांग्रेस की संस्कृति है, हमारी नहीं.

बीजेपी संवाद में विश्वास करती है. दरअसल मीडिया से चर्चा के दौरान शाह से सीजेपी के आंदोलन से जुड़ा प्रश्न किया गया था. जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में लोगों को अलग-अलग विचार रखने की स्वतंत्रता है. शाह ने कहा 'हम एक लोकतंत्र में हैं. अलग-अलग मुद्दों पर लोगों की अलग-अलग राय होती है. यह जरूरी है कि उन विचारों को व्यक्त किया जाए. मालूम हो कि नीट यूजी में पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर छात्रों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन किया था. इस आंदोलन का नेतृत्व कॉकरोच जनता पार्टी ने किया था.

एक नजर में

पत्नी का हत्यारा पुलिस बेन से कूदा, मौत

दिसपुर, 14 सितम्बर. पत्नी की बेरहमी से हत्या करने वाले रामानुज गोस्वामी की सोमवार तड़के मौत हो गई. पुलिस सूत्रों के अनुसार, रामानुज को जब मेडिकल जांच के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी उसने नरकासुर पहाड़ी के पास चलती पुलिस गाड़ी से छलांग लगा दी. इस घटना में उसके सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उसकी मौत हो गई. उसकी सात दिन की पुलिस रिमांड खत्म हो गई थी और सोमवार को उसे अदालत में पेश किया जाना था.

बप्पा को लगेगा सोने वाला भोग

नाशिक, 14 सितम्बर. गणपति बप्पा के स्वागत की तैयारियों के बीच महाराष्ट्र के नासिक में इस बार मिठाइयों की दुकान पर कुछ ऐसा देखने को मिल रहा है, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया है. गणेशोत्सव के लिए यहां 24 कैरेट शुद्ध सोने की परत से तैयार किए गए खास गोल्डन मोदक बिक्री के लिए रखे गए हैं. इनकी कीमत भी सामान्य मोदकों से काफी ज्यादा है. गोल्डन मोदक की कीमत 27 हजार रुपये प्रति किलोग्राम रखी गई है .नासिक की सागर स्वीट्स ने इस बार ग्राहकों के लिए मोदक की 25 से ज्यादा किस्में तैयार की हैं.

ओमान में जहाज पर हमले से भारत नाराज

नई दिल्ली, 14 सितंबर. भारत ने रविवार को ओमान के तट पर कमर्शियल जहाज पर हुए हमले की निंदा की है. इस शिप पर मौजूद 14 भारतीय क्रू मेंबर सवार थे, जिसमें से 13 को बचा लिया गया है और लापता नागरिक की खोज और बचाव का काम जारी है. विदेश मंत्रालय ने बताया, 'ओमान में हमारा दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और खोज और बचाव अभियान में ओमान के अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से तालमेल बिठा रहा है. हम अपने नागरिकों को बचाने में मदद के लिए ओमान के अधिकारियों का धन्यवाद करते हैं.'

रेप केस में तरुण तेजपाल ने किया सरेंडर

नई दिल्ली, 14 सितम्बर. दुष्कर्म मामले में दोषी ठहराए गए और तहलका पत्रिका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल ने मापुसा कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें तीन सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने और इसकी प्रमाणित पावती (सरेंडर सर्टिफिकेट) अदालत में पेश करने का निर्देश दिया था. इसी आदेश के अनुपालन में तेजपाल ने मापुसा कोर्ट में सरेंडर किया. सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली तरुण तेजपाल की अपील पर सुनवाई का रास्ता भी साफ किया है, जिसमें हाईकोर्ट ने उन्हें दुष्कर्म के मामले में दोषी करार देते हुए 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी.

ब्रिटेन में काशी-हरिद्वार जैसा नजारा

लंदन की टेम्स नदी के किनारे पहली बार हुई गंगा आरती

लंदन, 14 सितम्बर, (एजेंसी). लंदन में टेम्स नदी के किनारे पहली बार गंगा आरती हुई. यह रोशनी और आभार व्यक्त करने का एक समारोह था, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए.

चिन्मय मिशन यूके ने सालाना टोटली टेम्स फेस्टिवल के साथ मिलकर टेम्स पर गंगा आरती: रोशनी का समारोह आयोजित किया. यह कार्यक्रम संस्था के 75 साल पूरे होने के वैश्विक जश्न का हिस्सा था. भारत में गंगा नदी के किनारे होने वाली विश्व-प्रसिद्ध आरती की भावना को दोहराते हुए लंदन में आयोजित इस कार्यक्रम को प्रकृति, ज्ञान और चेतना के जीवन-दायिनी प्रवाह के प्रतीक के रूप में आयोजित किया गया था.

पीके की एंट्री से बदलेगा सियासी गणित?

विधान परिषद चुनाव से बिहार में सियासत गरम

पटना, 14 सितंबर. बिहार विधान परिषद की चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव को लेकर प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. चुनाव आठ सीटों के लिए होना है, लेकिन इसका प्रभाव राज्य के बड़े हिस्से पर पड़ेगा.

इन निर्वाचन क्षेत्रों में शामिल 30 जिलों के मतदाता विधान परिषद के नए सदस्यों का चुनाव करेंगे. इन जिलों में करीब 150 विधानसभा क्षेत्र आते हैं. मौजूदा विधान पार्षदों का कार्यकाल 16 नवंबर 2026 को समाप्त होने जा रहा है. ऐसे में अगले चार सप्ताह के भीतर चुनाव कार्यक्रम घोषित होने की संभावना है. चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले ही राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं.

वहीं, राजद ने आठ में से छह सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं. इसके बाद महागठबंधन में सीट बंटवारे और कांग्रेस की भूमिका को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है. दूसरी ओर, एनडीए के भीतर भी कुछ सीटों पर दावेदारी को लेकर तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है.

राजस्थान निकाय चुनाव में बीजेपी का दबदबा

4026 वार्डों में जीत, कांग्रेस को 3,438 सीटें

जयपुर, 14 सितंबर. राजस्थान के नगर निकाय चुनाव के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी ने बढ़त बनाते हुए कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया है. राज्य के 9,900 वार्डों के घोषित परिणामों में भाजपा ने 4,026 वार्डों पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस के खाते में 3,438 वार्ड आए.

वहीं, 2,436 वार्डों में निर्दलीय उम्मीदवारों ने बाजी मारी. इन नतीजों ने राज्य की स्थानीय राजनीति में भाजपा की मजबूत स्थिति को रेखांकित किया है. राजस्थान में नगर निगम, नगर परिषद और नगरपालिका समेत कुल 309 नगरीय निकायों के लिए दो चरणों में मतदान कराया गया था. पहले चरण में 9 सितंबर को 162 निकायों में वोट डाले गए, जबकि दूसरे चरण में 11 सितंबर को 147 निकायों के लिए मतदान हुआ. दोनों चरणों को मिलाकर कुल 10,167 वार्डों में चुनाव हुआ. जोधपुर में दोनों प्रमुख दलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला. यहां भाजपा और कांग्रेस दोनों ने 44-44 वार्डों पर जीत दर्ज की, जबकि अन्य उम्मीदवारों ने 11 वार्ड अपने नाम किए. बीकानेर में कांग्रेस 42 वार्डों के साथ आगे रही, जबकि भाजपा को 27 वार्ड मिले. भरतपुर में निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा और उन्होंने 38 वार्डों में जीत दर्ज की.

5 नगर निगमों में भाजपा, एक में कांग्रेस को बढ़त: नगर निगम स्तर पर सामने आए परिणामों के अनुसार भाजपा ने पांच नगर निगमों में बढ़त हासिल की, जबकि कांग्रेस एक नगर निगम में आगे रही.

बड़े नगर निगमों में भी भाजपा मजबूत

राज्य के प्रमुख नगर निगमों के परिणामों में भी भाजपा का प्रदर्शन कई जगह प्रभावशाली रहा. उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक उदयपुर में भाजपा ने 53 वार्ड, कोटा में 55, जयपुर में 69 और अलवर में 28 वार्डों पर जीत दर्ज की. वहीं अजमेर में कांग्रेस ने 37 वार्डों के साथ भाजपा के 32 वार्डों पर बढ़त बनाई.

उत्तराखंड में भाजपा के लिए अच्छे संकेत

- सर्वे में भाजपा को बंपर सीटों का अनुमान
- अलग-अलग आयु वर्ग में पार्टी को बढ़त

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 14 सितम्बर. उत्तराखंड को लेकर किए गए एक हालिया सर्वे में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व और भाजपा सरकार के प्रति जनता ने मजबूत भरोसा जताया है.

यदि मौजूदा जनमत चुनावी नतीजों में बदलते हैं तो 70 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 54 सीटें मिलने का अनुमान है. यह आंकड़ा 2027 विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश के राजनीतिक रुझान का महत्वपूर्ण संकेत है. सर्वे में उम्र, सामाजिक वर्ग और विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सीधे मतदाताओं से राय ली गई, जिसमें मुख्यमंत्री धामी को अलग-अलग वर्गों में उल्लेखनीय समर्थन मिला है. महिलाओं को आरक्षण देने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री धामी के निर्णय के साथ 88 फीसदी लोगों ने पूर्ण समर्थन जताया, जबकि केवल पांच प्रतिशत ने पूर्ण विरोध किया.

70 फीसदी लोग सीएम धामी के साथ आए

देवभूमि की पहचान और मूल स्वरूप को बचाने के सवाल पर 70 प्रतिशत लोगों ने धामी के प्रयासों का पूर्ण समर्थन किया. 2027 के चुनाव से पहले भाजपा को 54 सीटों का अनुमान बड़ा सकारात्मक संकेत है. सर्वे का व्यापक संदेश यह है कि उत्तराखंड में विकास के साथ अपनी संस्कृति, पहचान और मूल स्वरूप की रक्षा को प्राथमिकता देने वाली सरकार के प्रति जनता का भरोसा मजबूत बना हुआ है.

आज का इतिहास

1812 : नेपोलियन बोनापार्ट के नेतृत्व में फ्रांसीसी सेना ने मास्को के क्रेमलिन में प्रवेश किया था.

1830 : ब्रिटेन में पहली प्रसिद्ध रेल यात्री दुर्घटना हुई, जिसमें सांसद विलियम हस्किसन की जान चली गई

1894 : प्योंगयांग की लड़ाई में जापान ने चीन को करारी शिकस्त दी थी.

1916 : प्रथम विश्व युद्ध के दौरान सोम्मे की लड़ाई में पहली बार टैंक का इस्तेमाल किया गया था.

1935 : जर्मनी में नाजी पार्टी ने यहूदी विरोधी नॉर्मबर्ग लॉ लागू किया, जिसके तहत यहूदियों की नागरिकता समाप्त कर दी गई.

हस्तियों के ट्वीट

भारतीय अभिनेत्री टि्वंकल खन्ना ने हाल सी सोशल मिडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि मैंने पजामाज़ आर फॉरगिविंग (नाम की एक किताब लिखी थी, लेकिन असल में साड़ी ही सचमुच फॉरगिविंग (माफ करने वाली) होती है. यह भूख, हालात, हार्मोन, उम्र और समय की वजह से होने वाली कमियों को अपना लेती है. वहीं दूसरी ओर, जींस तो मन में बात रखने (यानी शरीर की कमियों को न छिपाने) में माहिर होती है.

दिग्गज पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने हाल सी सोशल मिडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि महिला टीम को एशिया कप में शानदार जीत के लिए बधाई. यह एक मज़बूत, निडर और वर्ल्ड-क्लास टीम बनाने की दिशा में एक और अहम कदम है, जिसका मकसद ग्लोबल स्टेज पर दबदबा बनाना, लगातार जीतना और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करना है.

बादल परिवार से जुड़े मेजर भूप अब थामेंगे 'कमल'

चंडीगढ़, 14 सितंबर. पंजाब की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शिरोमणि अकाली दल के प्रभावशाली बादल परिवार से जुड़े एक अहम चेहरे को अपने पाले में लाने की तैयारी की है।

पंजाब में भाजपा की बड़ी सेंध

पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के चचेरे भाई मेजर भूपिंदर सिंह ढिल्लों भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं. 'मेजर भूप' के नाम से पहचाने जाने वाले ढिल्लों प्रकाश सिंह बादल के करीबी सहयोगियों में रहे हैं और SAD-भाजपा सरकार के दौरान उनके राजनीतिक सचिव की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं. मेजर भूपिंदर सिंह ढिल्लों के भाजपा में जाने की खबर को पंजाब की आगामी चुनावी राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. वर्ष 2012 में उन्हें राज्य मंत्री का दर्जा देते हुए प्रकाश सिंह बादल का राजनीतिक सचिव नियुक्त किया गया था.

देश के सबसे अमीर विधायक ने मांगी भीख

- गुरु के आदेश पर पराग शाह ने भिखारी बन बिताया दिन
- मुंबई की सड़कों पर फटे हाल झाड़ू लगाते नजर आए

नवभारत न्यूज़

मुंबई, 14 सितम्बर. महाराष्ट्र के एक विधायक का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो सड़कों पर भीख मांगते नजर आ रहे हैं.

इनका नाम है पराग शाह जो देश के सबसे अमीर विधायकों में से एक हैं. उनके पास करोड़ों की संपत्ति है, तो फिर आखिर क्या वजह है कि वो सड़कों में फटे हाल भीख मांगते नजर आ रहे हैं, झाड़ू लगाते दिखाई दे रहे हैं.घाटकोपर के विधायक पराग शाह मुंबई में एक प्रसिद्ध और अमीर राजनेता के रूप में जाने जाते हैं. 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के मालिक इस विधायक ने हाल ही में एक अभूतपूर्व प्रयोग किया. अपने गुरु के आदेश के मुताबिक उन्होंने एक भिखारी के वेश में घाटकोपर की सड़कों पर पूरा दिन बिताया. पराग शाह ने साधारण कपड़े पहने, अपना चेहरा और रूप-रंग बदला और अपने निर्वाचन क्षेत्र की भीड़ भरी सड़कों पर भिखारी बनकर घूमने लगे, उस दिन उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र को आम लोगों की नजरों से देखा. उन्हें लोगों की प्रतिक्रियाओं, दया, उपेक्षा, मदद और कभी-कभी उदासीनता का प्रत्यक्ष अनुभव मिला. कई लोग उनके पास से गुज़रे, कुछ ने थोड़ी मदद की, तो कुछ ने नकारात्मक प्रतिक्रिया दी. इस अनुभव ने विधायक को आम नागरिकों की रोज़मर्रा की कठिनाइयों का प्रत्यक्ष अनुभव कराया. इस दौरान उन्हें किसी ने नहीं पहचाना कि वो विधायक हैं. पराग शाह के इस कदम ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है. करोड़ों रुपये के मालिक होने के बावजूद गुरु के आदेशों का पालन करते हुए ऐसे कठिन अनुभव से गुज़रना वाकई सराहनीय है.

इमारत गिराने पर कोर्ट ने मांगा ठोस आधार

नई दिल्ली. दिल्ली हाई कोर्ट ने सत्य निकेतन छात्रावास हादसे के बाद उससे सटी इमारत को गिराने के फैसले के खिलाफ तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया.

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै राजेंद्र सिंह (Rajendra Singh) निवासी ग्राम कठवरिया पोस्ट हाटी जिला सतना (म.प्र.) का निवासी हैं मेरे पुत्र के आधार कार्ड में त्रुटिवश पुत्र का नाम अंग्रेजी में ASAHHT SINGH दर्ज है और हिंदी में नाम अंकित नहीं है जो गलत है मेरे पुत्र का सही नाम जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार अक्षत सिंह (AKSHAT SINGH) पिता राजेंद्र सिंह (RAJENDRA SINGH), माता प्रतिमा सिंह (PRATIMA SINGH) दर्ज किया जाए जिससे भविष्य में कोई परेशानी न हो.

नवाचार — गुजरात के लैब में वैज्ञानिक ने प्लाज्मा को लंबे समय तक उच्च तापमान में रखने की गुत्थी सुलझाई

चीन के बाद अब भारत भी बना रहा अपना 'सूरज'

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद, 14 सितम्बर. भारत भी अपना सूरज बनाने की दिशा में आगे बढ़ चला है. गुजरात की एसएसटी-1 टोकामाक लैब में भारतीय वैज्ञानियों ने प्लाज्मा को लंबे समय तक उच्च तापमान पर बनाए रखने की चुनौती सुलझा ली है. भारत भी अपना सूरज बनाने की दिशा में काम कर रहा है. इससे पहले चीन के वैज्ञानिक इस ओर बढ़ चुके हैं.

गुजरात की एक लैब में वैज्ञानिक प्रकृति की सबसे शक्तिशाली प्रक्रिया संलयन यानी फ्यूजन को फिर से साकार करने की कोशिशों में जुटे हैं. यह वह रिएक्शन है जिससे सूरज चमकता है. हाल ही में चीन के बारे में खबर आई थी कि उसने कृत्रिम सूरज के लिए दुनिया का सबसे बड़ा सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट बना लिया है. अब कृत्रिम सूरज बनाने की दिशा में भारतीय वैज्ञानियों की कोशिश भी रंग लाई है.सूरज संलयन यानी फ्यूजन से ऊर्जा पैदा करता है. नाभिकीय संलयन की यह प्रक्रिया कभी रुकती नहीं, सतत चलती रहती है. यदि इंसान इस तकनीक की मदद से कृत्रिम सूरज बनाए तो सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा को सतत बनाए रखने के साथ ही उस पर कंट्रोल हासिल करने की होती है क्योंकि अति उच्च तापमान पर पदार्थ अपना अस्तीत्व गंवा देता है. ऐसे में इस दशा को देर तक बनाए रखना बड़ा चुनौतीपूर्ण काम होता है. गुजरात के इंस्टीट्यूट फॉर प्लाज्मा रिसर्च में वैज्ञानिकों ने इसी चुनौती को हल कर लिया है. वैज्ञानिकों एसएसटी-1 टोकामाक मशीन में एक शक्तिशाली 82.6 गीगाहर्ट्ज गाइरोट्रॉन नाम के उपकरण को चालू किया है जो हाई फ्रीक्वेंसी माइक्रोवेव ऊर्जा की मदद से प्लाज्मा को लंबे समय तक बेहद ऊंचे तापमान पर गर्म बनाए रखता है. यानी भारतीय वैज्ञानिक सूरज की तरह फ्यूजन यानी संलयन से असीमित ऊर्जा बनाने की दिशा में आगे बढ़ चले हैं.

न्यूक्लियर पॉवर से संभव

न्यूक्लियर पॉवर प्लांट में रेडियोएक्टिव ईंधन जलाने के बजाय फ्यूजन रिएक्टर में अति उच्च तापमान और दबाव के बीच हल्के परमाणुओं के नाभिक यानी न्यूक्लिआई को जोड़कर ऊर्जा पैदा की जाती है. इस प्रक्रिया में अति उच्च तापमान के कारण पदार्थ अपना अस्तीत्व ही गंवा देते हैं. इस खतरनाक प्रयोग का केंद्र प्लाज्मा होता है जो पदार्थ की बहुत गर्म और इलेक्ट्रिकली चार्ज्ड अवस्था मानी जाती है. इसको देर तक बनाए रखना ही बड़ा चुनौतीपूर्ण काम है.

कार्यालय कलेक्टर, जिला सतना एवं पदेन उपसचिव म.प्र. शासन राजस्व विभाग सतना

क्र. 1699 / भू-अर्जन / 2026 सतना, दिनांक 10.9.26

घोषणा

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की, अनुसूची के पद (2) में उल्लिखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है।अत: भू-अर्जन अधिनियम 2013, संशोधन (क्र.-एक, सन् 2013) की धारा 19 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है:--

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन: - (म.प्र. शासन / निजी खाता)

(क) जिला - सतना (ख) तहसील - कोठी (ग) नगर / ग्राम टीकर (घ) क्षेत्रफल - 0.0620 हे0

क्र.	भूस्वामी का नाम / पिता का नाम	खसरा नं.	कुल रकवा हे. में.	अर्जित रकवा हे.में
1	2	3	4	5
1	शकुन्तला देवी बेवा बलवीर सिंह, मु. शकुन्तला देवी बेवा बलवीर सिंह पुष्पेन्द्र सिंह पुष्पराज सिंह दिलीप सिंह संजय सिंह पिता बलवीर सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह पिता बलवीर सिंह, पुष्पराज सिंह पिता बलवीर सिंह, दिलीप सिंह पिता बलवीर सिंह, संजय सिंह पिता बलवीर सिंह पता टीकर, कोठी सा0 देह भूमिस्वामी.	14/1	0.3720	0.0300
2	जानकी धम्मू विजयराज अच्छी बइया पुत्री माधव सिंह, मु. राजकुमारी बेवा माधव सिंह महेश सिंह सुरेश सिंह बृजेश सिंह पिता माधव सिंह पता सा0 देह भूमिस्वामी.	73/1	0.5140	0.0320
	योग			0.0620

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये अर्जन आवश्यक है- बरगी व्यपवर्तन परियोजना की नागौद सतना शाखा नहर अंतर्गत आर.डी. 113 से 131 कि.मी. में व्यपवर्तित नाले के निर्माण हेतु निजी भूमि का अर्जन हेतु । (3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर (भू-अर्जन) जिला सतना के न्यायालय में किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(डॉ. सतीश कुमार एस.)
कलेक्टर, जिला सतना (म0प्र0)
एवं पदेन उप सचिव म0प्र0 शासन
राजस्व विभाग

G-18632 / 26